विद्या

अभ्यास

१. कविता का सस्वर गान कीजिए।

१. विद्या किं किं ददाति–

क. .... ख. .... ग. ....

घ. .... ङ. .... च. ....

२. कविता की पंक्तियों को सही क्रम में लिखिए–

विद्या ददाति वृत्तिम् (१)...।

विद्या ददाति सौख्यम् (२)...।

मुदितं करोति चित्तम् (३)...।

विद्या ददाति शक्तिम् (४)...।

३. शब्दों को उनके उलटे अर्थ वाले (विलोम) शब्दों के साथ सुमेलित कीजिए–

ज्ञानम्	अपमानम्
सुखम्	अज्ञानम्
मानम्	दुःखम्

मानम् = सम्मान **ददाति** = देती है **वित्तम्** = धन **मुदितम्**= प्रसन्न
चित्तम्= मन **वृत्तिम्** = रोजगार या आजीविका **सौख्यम्** = सुख।

शिक्षण संकेत

- विद्या के महत्त्व को बताने वाली कविता और कहानियाँ बच्चों को सुनाएँ।
- विद्या का आशय साक्षरता के साथ–साथ कौशल भी है, इस बात को समझाएँ।